टन निर्धारित किया है ; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि दिसम्बर, 1989 के पश्चात तेल के उत्पादन में काफी तेजी से गिरावट आई है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह भी सच है कि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग की वित्तीय स्थिति काफी बिगड़ चुकी है और इसके परिणामस्वरूप वर्तमान वित्तीय वर्ष के लाभ में काफी कमी आने की संभावना है; यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) इस स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानंद) : (क) आठवीं पंचवर्षीय योजना को अभी अंतिम रूप देना है।

(ख) और (ग) देश में कच्चे तेल का उत्पादन वर्ष 1989–90 और 1990–91 के दौरान क्रमश: 34.68 मिलियन टन और 33.00 मिलियन टन हुआ।

(घ) और (ङ) वर्ष 1990–91 में तेल और प्राकृतिक गैस आयोग का कर पश्चात लाभ 1948 करोड़ रुपए का था जबकि वर्ष 1989–90 में 1624 करोड़ रुपए का हुआ था। लाभ में हुई गिरावट मुख्यत: विनिमय मुद्रा की काफी हानि बट्टे खाते में डाली गई सूखे कुओं की लागत मूल्य ह्रास/ रिक्तिकरण और प्रचालन व्यय के कारणों से हुई। तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की कार्य-प्रणाली की समीक्षा सतत आधार पर की जाती है।

Development of technology

2003. SHRI M. VINCENT: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a radical concept of Enhanced Oil Recovery upto 90 to 95 per cent has been developed by the Chemical Technology Department of Bombay University;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) by when this technology is likely to be in use for tapping oil?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (c) The Chemical Technology Department of Bombay University has propounded a concept for recovery of oil by lowering a semipermeable membrane against the sand face to allow oil flow exclusively in production well supported by injection of gas in the injection well. The process can be put to use for commercial purpose only after it has been verified at bench level and pilot level.

Development of free gas fields

2004. SHRIMATI KAMLA SINHA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to set up joint ventures to develop free gas fields; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) and (b) No decision has been taken at present.

L.P.G. agencies to women

2005. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether women entrepreneurs are given an L.P.G. agency;

(b) if so what is the quota, State-wise;

(c) the number of States which have compiled with this policy; and

(d) what is the percentage of women who were appointed as agents of LPG during the last three years?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (b) There is no separate reservation for women entrepreneurs for allotment of dealerships/distrtibutionship.

Development of free gas fields

2006. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided to allow export of natural gas;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether Government propose to allow setting up of joint ventures to develop free Gas Fields; and

(d) if so, reasons therefor and the details thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) and (b) Only in the Fourth Round it has been decided that where it is not possible to market the gas domestically, the contractor would be permitted to export it.

(c) and (d) No decision has been taken at present.

पानी मिले हुए (जल-मिश्रण) तेल की आपूर्ति

2007. डा० जितेन्द्र कुमार जैन : सरदार जगजीत सिंह अरोडा :

क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 2 सितम्बर, 1991 के "दि टाइम्स आफ इंडिया" में "ओ०एन०जी०सी० सप्लाइड आयल विद वाटर इमलशन" शीर्षक के अधीन प्रकाशित हुए एक समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1989-90 और 1990-91 में वर्ष-वार तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने तेल शोधक कारखानों को कुल कितने कच्चे तेल की आपूर्ति की है;

(ग) इसी अवधि के दौरान वर्ष-वार तेल शोधक कारखानों द्वारा कितनी मात्रा में उत्पादों का उत्पादन किया गया है;

(घ) क्या यह भी सच है कि इन वर्षों के दौरान तेल शोधक कारखानों में प्रसंस्करण प्रक्रिया में होने वाली हानि की मात्रा में काफी वृद्धि हुई है; और

(ङ) यदि हां, तो उपर्युक्त अवधि के दौरान वर्ष वार हुई हानी की मात्रा की प्रतिशतता क्या है और मात्रा की दृष्टि से हानि का यह प्रतिशत अरब देशों में स्थित तेल शोधक कारखानों को हो रही हानि के से कितना अधिक है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) जी, हां।

(ख) तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के अनुसार, वर्ष 1989-90 में 27.470 मिलियन टन और 1990-91 में 26.403 मिलियन टन।

(ग) से (ङ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

रसोई गैस/पैट्रोल पम्पों का आवंटन

2008. डा० अबरार अहमद : क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के अधीन देश में रसोई गैस की कितनी एजेंसियां